पद २८ (कन्नड)

(राग: पिलु, मुलतानी - ताल: दीपचंदी)

ईग येनु पेळलि गुरुराया। नोड नोडुत्त कळेदल्लो माया।।ध्रु.।।

तत्त्वमिस महावाक्या केळी । हारि होइतु द्वैतद धूळि।।१।। नाने

देह अंबोदु इत्तु मरऊ । नीने ब्रह्म यंदु तोरिदि अरवू।।२।। माणिक

पेसरु आगि लोपा। उळितु सच्चिदानंदस्वरूपा।।